भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2766
दिनांक 12 दिसंबर, 2024 को उत्तरार्थ

ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम

2766. डॉ. निशिकान्त दुबेः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ऊर्जा संरक्षण के संबंध में देश का प्रदर्शन विश्व के अन्य देशों की तुलना में संतोषजनक है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है; और

(घ) निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में कितनी सफलता मिली है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख) : ऊर्जा संरक्षण के मामले में भारत का प्रदर्शन दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2010-19 के दौरान वैश्विक ऊर्जा सघनता में सुधार 2% था, जबकि भारत के लिए यह 2.5% था। वर्ष 2021-2024 की अवधि के दौरान वैश्विक ऊर्जा तीव्रता में 1.3% का सुधार हुआ, जबकि भारत की ऊर्जा तीव्रता में 1.6% का सुधार हुआ। यह अनुमान है कि वर्ष 2024 में ही वैश्विक ऊर्जा तीव्रता में 2.5% का सुधार होने की उम्मीद है। (उपर्युक्त अनुमानों में ऊर्जा तीव्रता को 2015 क्रय विद्युत अनुरूपता पर मेगा जूल/यूएसडी के संदर्भ में मापा गया है।)

(ग) और (घ) : सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे प्रमुख ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रमों में उद्योगों के लिए निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार, उपकरणों के लिए मानक और लेबलिंग स्कीम, उन्नत ज्योति बाय अफोर्डेबल एलईडीज़ फॉर ऑल (उजाला) स्कीम, ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाना शामिल हैं।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय, की रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न ऊर्जा दक्षता स्कीमों/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से 53.60 मिलियन टन तेल समतुल्य (एमटीओई) समग्र ऊर्जा बचत हुई है, जो वर्ष 2023-24 के लिए देश की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति का लगभग 5.89% है।

****